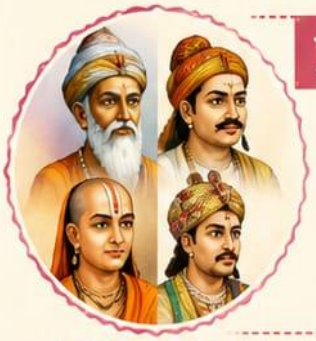
पद्य विभाग

इस विभाग में पढ़ेंगे-



1. **अनमोल वाणी :**
   - कबीरदास
   - सूरदास
   - तुलसीदास
   - रहीम



2. **मनुष्यता**



3. **एक तिनका**



4. **चाँद का झिंगोला**

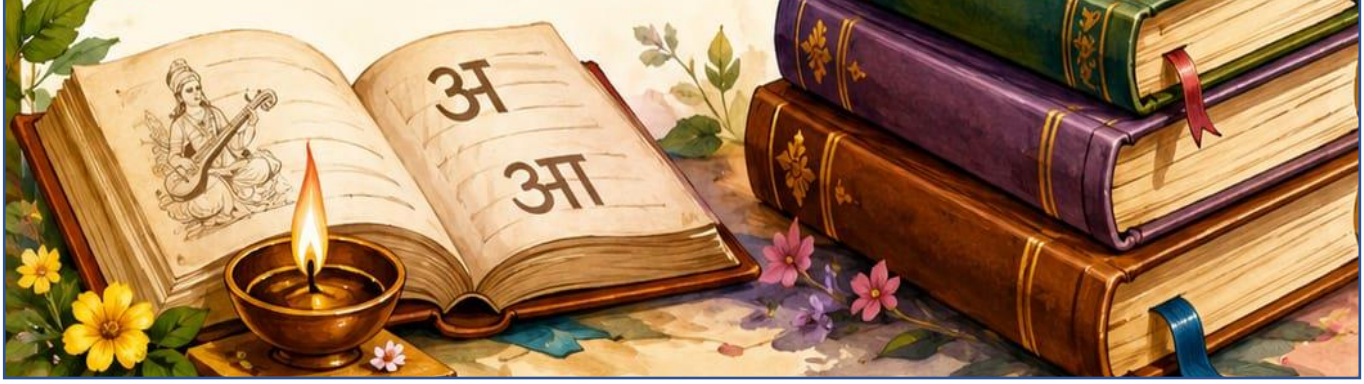


5. **नीड़ का निर्माण फिर फिर**



6. **काँटे कम-से-कम मत बोओ**

कविता जीवन की अनुभूतियों की मधुर अभिव्यक्ति है।



कबिर दास (दोहे)

शिक्षा

- बुराई का उत्तर भलाई से देना चाहिए।
- क्षमा और प्रेम मनुष्य के श्रेष्ठ गुण हैं।



कबिर दास जी की साहित्यिक एवं वैचारिक विशेषताएँ

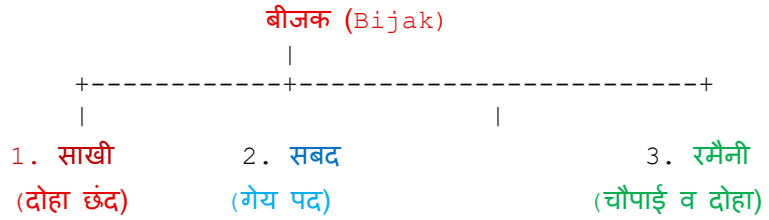
(Literary Characteristics)

"**मसि कागद छूओ नहीं, कलम गही नहिं हाथ**" कबीरदास जी पढ़े-लिखे नहीं थे। उन्होंने देशाटन (यात्राओं) और साधु-संगति से जो अनुभव प्राप्त किया, उसी को अपनी वाणी द्वारा व्यक्त किया।

- **निर्गुण ईश्वर के उपासक:** कबीर ईश्वर के 'निर्गुण-निराकार' (बिना किसी रूप या आकार वाले) रूप के उपासक थे। उनके 'राम' दशरथ-पुत्र राम न होकर सर्वव्यापक ब्रह्म हैं।
- **समाज सुधारक:** वे कवि बाद में, पहले एक निर्भीक समाज सुधारक थे। उन्होंने समाज में व्याप्त अंधविश्वास, बाह्य आडंबर, छुआछूत और धर्म के नाम पर होने वाले पाखंड का खुलकर विरोध किया।
- **सद्भाव के प्रतीक:** वे हिंदू-मुस्लिम एकता के बहुत बड़े समर्थक थे।

प्रमुख रचनाएँ (Major Works)

कबीरदास जी के उपदेशों और दोहों को उनके शिष्य **धर्मदास** ने '**बीजक**' (Bijak) नामक ग्रंथ में संकलित किया। बीजक के तीन मुख्य भाग हैं:



भाषा-शैली (Language Style)

कबीरदास जी की भाषा को '**सधुक्कड़ी**' या '**पंचमेल खिचड़ी**' कहा जाता है। क्योंकि वे साधु-संतों के साथ देश भर में घूमते थे, इसलिए उनकी भाषा में **अवधी, ब्रज, राजस्थानी, भोजपुरी, पंजाबी और अरबी-फारसी** के शब्दों का सुंदर सम्मिश्रण देखने को मिलता है।

➡ मुख्य बिंदु

ओडिशा बोर्ड की 10वीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक में कबीरदास जी के दोहे '**अनमोल वाणी**' शीर्षक के अंतर्गत संकलित हैं।

- कबीर के दोहे '**साखी**' छंद में रचित हैं।
- इन दोहों में **सत्य, मधुर वचन, अहंकार-त्याग, गुरु-महिमा, और ईश्वर-भक्ति** का उपदेश दिया गया है।

परीक्षा उपयोगी अभ्यास प्रश्न (Practice Questions)

भाग (क): वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs)

1. **संत कबीरदास जी का जन्म कहाँ हुआ था?**

   (A) मगहर
   (B) काशी (वाराणसी)
   (C) मथुरा
   (D) प्रयाग

2. **कबीरदास जी के गुरु का नाम क्या था?**

   (A) स्वामी वल्लभाचार्य
   (B) स्वामी हरिदास
   (C) स्वामी रामानंद
   (D) नरहरिदास

3. **कबीर की रचनाओं के संकलन ग्रंथ का नाम क्या है?**

   (A) साखी
   (B) बीजक
   (C) सूरसागर
   (D) पदावली

4. **कबीरदास जी की भाषा को क्या कहा जाता है?**

   (A) खड़ी बोली
   (B) ब्रजभाषा
   (C) सधुक्कड़ी
   (D) मैथिली

भाग (ख): संक्षिप्त उत्तर वाले प्रश्न

1. **कबीरदास जी का पालन-पोषण किसने किया था?**
2. **कबीरदास जी की भाषा को 'सधुक्कड़ी' क्यों कहा जाता है?**

3. **'बीजक' के कितने भाग हैं और उनके नाम क्या हैं?**

उत्तर कुंजी (Answer Key)

1. **(B)** काशी (वाराणसी)
2. **(C)** स्वामी रामानंद
3. **(B)** बीजक
4. **(C)** सधुक्कड़ी

भाग (ख): संक्षिप्त उत्तर वाले प्रश्न

1. **निरु/नीमा (जुलाहा) परिबार**
2. कबीरदास की भाषा मिश्रित लोकभाषा है, जिसमें विभिन्न बोलियों और भाषाओं के शब्दों का समावेश है। संतों द्वारा प्रयुक्त होने के कारण इसे **सधुक्कड़ी भाषा** कहा जाता है।
3. तीन

➢ अधिगम उद्देश्य (Learning Outcomes)

इस पाठ के अध्ययन के बाद विद्यार्थी–

- कबीरदास के जीवन एवं साहित्य से परिचित होंगे।
- दोहे का अर्थ समझ सकेंगे।
- दोहों में निहित नैतिक संदेशों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करेंगे।
- परीक्षा में लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे।

दोहे, अर्थ एवं नैतिक शिक्षा (Meaning & Moral Value)

दोहा 1:

साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप। जाके हिरदै साँच है, ताके हिरदै आप।।

- सरल अर्थ: सत्य बोलने के समान कोई तपस्या (पुण्य) नहीं है और झूठ बोलने के समान कोई पाप नहीं है। जिसके हृदय में सत्य का निवास होता है, उसके हृदय में स्वयं ईश्वर (आप) निवास करते हैं।
- नैतिक शिक्षा (Moral): हमें सदैव सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए, क्योंकि सत्यवादी के साथ ईश्वर की शक्ति हमेशा रहती है।

दोहा 2:

जो तोको काँटा बुबै ताहि बोय तू फूल। तोकु फूल को फूल है, बाको है तिरसूल।।

- सरल अर्थ: जो व्यक्ति तुम्हारे मार्ग में काँटा बोता है (अर्थात् तुम्हारा बुरा चाहता है), तुम उसके लिए भी फूल बोओ (उसका भला करो)। ऐसा करने से तुम्हें फूल के बदले फूल ही मिलेगा (तुम्हारा कल्याण होगा), लेकिन बुराई करने वाले को तिरसूल (त्रिशूल/कष्ट) की भाँति दुःख मिलेगा।
- नैतिक शिक्षा (Moral): शत्रुता का उत्तर भलाई और क्षमा से देना चाहिए। उपकार का फल सदैव अच्छा होता है।

दोहा 3:

धीरे-धीरे रे मना, धीरे-धीरे सब कुछ होय। माली सीचें सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।।

- सरल अर्थ: हे मन! धैर्य रखो, जीवन में सभी कार्य अपने निश्चित समय पर धीरे-धीरे ही पूरे होते हैं। जिस प्रकार माली भले ही पौधे में सौ घड़े पानी क्यों न सींच दे, फल तो सही ऋतु (मौसम) आने पर ही लगता है।
- नैतिक शिक्षा (Moral): सफलता और परिणाम पाने के लिए 'धैर्य' (Patience) और निरंतर प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। जल्दबाज़ी से कार्य सिद्ध नहीं होते।

2. कठिन शब्दार्थ (Word Meanings)

- साँच: सत्य / सच
- हिरदै: हृदय / दिल
- ताके: उसके
- आप: ईश्वर / भगवान
- तोको / तोकु: तुझे / तुम्हारे लिए
- बाको: उसको / उसके लिए
- तिरसूल: त्रिशूल (काँटे या कष्ट का प्रतीक)
- मना: मन

❖ मुख्य संदेश

- सत्य सबसे बड़ा धर्म है।
- बुराई का उत्तर भलाई से देना चाहिए।
- धैर्य सफलता की कुंजी है।
- ईश्वर सत्य और सदाचार में निवास करते हैं।
-

❖ परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण बिंदु

- साँच = सत्य
- झूठ = सबसे बड़ा पाप
- काँटे के बदले फूल = बुराई का उत्तर भलाई से
- धीरे-धीरे = धैर्य और समय का महत्व
- ऋतु आए फल होय = सफलता उचित समय पर मिलती है

गतिविधि (Activity)

1. अपने जीवन में सत्य बोलने का एक अनुभव लिखिए।
2. किसी ऐसे व्यक्ति की कहानी लिखिए जिसने बुराई का उत्तर भलाई से दिया।
3. "धैर्य सफलता की कुंजी है" विषय पर 80–100 शब्दों का अनुच्छेद लिखिए।

❖ महत्वपूर्ण प्रश्न

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (दो-तीन बाक्य मै उत्तर)

1. कबीरदास किस प्रकार के कवि थे?
2. 'साँच' का क्या अर्थ है?
3. 'माली' किसका प्रतीक है?
4. 'ऋतु' से क्या तात्पर्य है?
5. कबीर के अनुसार सबसे बड़ा पाप क्या है?

6. बुराई करने वालोँ की भलाइ क्योँ करनी चाहिए?
7. "ऋतु आ ए फ़ल होए" इस पद का अर्थ क्या है?
8. "साँच" या सत्य के बारे कबिर क्या कहा है?

❖ एक-एक वाक्य मे उत्तरीय प्रश्न

1. किसके बराबर तप नहीँ है?
2. झुठ की तुलना किसके साथ की गई है?
3. "आप" शब्द का अर्थ क्या है?
4. कौन सौ घडे पानी सींचता है?
5. किसके बराबर तप नहीँ है?

❖ वस्तुनिष्ठ/बिट-टाइप प्रश्न (Bit Type Questions / MCQs)

(A) सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए:

1. 'साँच' (सत्य) के बराबर क्या नहीं है?

(A) पाप (C) तप

(B) धर्म (D) दान

2. ईश्वर का निवास किसके हृदय में होता है?

(A) जो धनी हो (C) जो तपस्वी हो

(B) जिसके हृदय में सत्य हो (D) जो ज्ञानी हो

3. काँटा बोने वाले के लिए हमें क्या बोना चाहिए?

(A) काँटा (C) फूल

(B) पत्थर (D) फल

4. बुराई करने वाले को अंत में क्या मिलता है?

(A) सुख (C) धन

(B) तिरसूल (कष्ट) (D) फूल

5. सौ घड़ा पानी सींचने पर भी फल कब आता है?

(A) तुरंत (C) अगले दिन

(B) ऋतु आने पर (D) कभी नहीं

मूल्यांकन (Worksheet)

6. रिक्त स्थान भरिए

1. साँच बराबर _____ नहीं।
2. झूठ बराबर _____।
3. जो तोको काँटा बुवै, ताहि बोय तू -।
4. माली सींचे _____ घड़ा।
5. ऋतु आए _____ होय।

(B) एक वाक्य या एक शब्द में उत्तर दीजिए:

1. झूठ के बराबर क्या माना गया है?
2. 'तिरसूल' शब्द का अर्थ क्या है?
3. माली पौधे में कितने घड़े पानी सींचता है?
4. सब काम किस प्रकार पूरे होते हैं?

उत्तर कुंजी (Answer Key)

भाग (A)

1. **(C)** तप
2. **(B)** जिसके हृदय में सत्य हो
3. **(C)** फूल
4. **(B)** तिरसूल (कष्ट)
5. **(B)** ऋतु आने पर

6.1) तप, 2) पाप 3) फूल 4. सौ 5. फल

भाग (B)

1. पाप
2. त्रिशूल (कष्ट/दुःख)
3. सौ घड़े
4. धीरे-धीरे (धैर्य से)
5. फ़ल

लघु प्रश्न उत्तर

1.उत्तर: कबीरदास निर्गुण भक्ति धारा के महान संत-कवि और समाज-सुधारक थे। उन्होंने अपने दोहों के माध्यम से सत्य, प्रेम, मानवता और सदाचार का संदेश दिया।

2. उत्तर: 'साँच' का अर्थ **सत्य** या **सच्चाई** है।

3. उत्तर: 'माली' परिश्रम करने वाले व्यक्ति का प्रतीक है, जो धैर्य और निरंतर प्रयास से अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है।

4.उत्तर: 'ऋतु' से तात्पर्य **उचित समय** या **अनुकूल अवसर** से है।

5. उत्तर: कबीर के अनुसार **झूठ बोलना** सबसे बड़ा पाप है।

6.उत्तर: बुराई करने वालों की भलाई करनी चाहिए क्योंकि भलाई से प्रेम, शांति और सद्भाव बढ़ता है। इससे दूसरे व्यक्ति के मन में भी परिवर्तन आ सकता है और बुराई का अंत होता है।

7.उत्तर: इस पद का अर्थ है कि प्रत्येक कार्य उचित समय आने पर ही सफल होता है। केवल प्रयास करने से ही नहीं, बल्कि धैर्य और सही समय का भी महत्व होता है।

8.उत्तर: कबीर कहते हैं कि **सत्य सबसे बड़ा तप है और झूठ सबसे बड़ा पाप।** जिस व्यक्ति के हृदय में सत्य होता है, उसके हृदय में ईश्वर का निवास होता है।

एक-एक वाक्य मे उत्तरीय प्रश्न

1. उत्तर: सत्य (साँच) के बराबर कोई तप नहीं है।

2. उत्तर: झूठ की तुलना पाप के साथ की गई है।

3. उत्तर: “आप” शब्द का अर्थ **ईश्वर** है।

4. उत्तर: माली सौ घड़े पानी सींचता है।

5. उत्तर: साँच (सत्य) के बराबर तप नहीं है।

परिचय : सूरदास

भक्तिकाल के श्रेष्ठ कवि **सूरदास** हिन्दी के सूर्य जैसे तेजस्वी कवि हैं।

उनका जन्म **सन् 1478** में दिल्ली के निकट **सीही गाँव** में एक गरीब ब्राह्मण परिवार में हुआ।

वे अंधे थे, पर मालूम पड़ता है कि वे जन्मांध नहीं थे।

मथुरा और आगरा के बीच यमुना नदी के तटपर स्थित **गऊघाट** पर उन्होंने संगीत, काव्य और शास्त्र का अभ्यास किया और विनय के भाव से पदों की रचना की।

सूरदास मानव-मन के बड़े पारखी थे। वात्सल्य भाव के तो वे मर्मज्ञ थे। श्रीमद् भागवत महापुराण के आधार पर रचित उनका विशाल ग्रंथ **'सूर सागर'** हिंदीं की अमूल्य निधि है।

प्रस्तुत पाठ में महाकवि सूरदास द्वारा रचित **कृष्ण की बाललीला** के दो पदों को रखा गया है। ये पद **'सूर सागर'** से संकलित हैं।

सूरदास –
भक्ति, विनय और वात्सल्य रस के अद्वितीय कवि।

❖ मुख्य बिंदु:

- ✓ बालक कृष्ण माँ यशोदा से शिकायत करते हैं।
- ✓ ग्वाल बालक कृष्ण को चिढ़ाते हैं ।
- ✓ कृष्ण माँ से अपना दुःख कहते हैं।
- ✓ यशोदा कृष्ण को प्रेम से समझाती हैं।
- ✓ श्रीकृष्ण आँगन में खेलते और गाते हैं।
- ✓ गायों और नंदा बाबा को पुकारते हैं।
- ✓ घर में जाकर माखन खाते हैं
- ✓ यशोदा दूर से उनकी लीला

- ✓ देखकर प्रसन्न होती हैं।
- ✓ यह पद वात्सल्य रस का सुंदर उदाहरण ।

➢ बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर (MCQ's)

1. सूरदास के पद में बलराम कृष्ण से क्या पूछते हैं?

(A) तुमने माँ से मेरी शिकायत क्यों की?
(C) तेरे माता-पिता कौन है?
(B) क्या तुमने माखन खाया है?
(D) क्या तुम्हें सही मोल करना आता है?

2. सूरदास के पद में कृष्ण किससे बलराम की शिकायत करते हैं?

(A) देवकी
(C) यशोदा
(B) नंद बाबा
(D) वसुदेव

3 .दाऊ किसको खीझाते हैं?

(A) यशोमती
(C) ग्वाल-बाल को
(B) कृष्ण को
(D) नंद बाबा को

4.कृष्ण से कौन पूछता हैं कि
"तेरी माता और पिता कौन है?"

(A) यशोदा
(C) नंद
(B) ग्वाल-बाल
(D) बलराम

5- ग्वाल-बाल चुटकी
बजाकर क्या करते हैं?

(A) गाते हैं
(C) नाचते हैं
(B) खेलते हैं
(D) रोते हैं

6- कृष्ण किससे शिकायत करते हैं?

(A) नंद से
(C) बलराम से
(B) यशोदा से
(D) मित्रों से

7- यशोदा बलराम को क्या कहती हैं?

(A) समझदार
(C) बहादुर
(B) चुगलखोर
(D) आलसी

8-यशोदा किसकी कसम खाकर कहती हैं कि कृष्ण उनके पुत्र हैं?

(A) गंगा की
(C) यमुना की
(B) गौधन की
(D) तुलसी की

9-यशोदा किस बात से प्रसन्न हो जाती हैं?

(A) कृष्ण के खेलने से
(C) बलराम की बातों से
(B) कृष्ण के गुस्से और उनकी बातें सुनकर
(D) नंद के आने से

10-पाठ के अनुसार बलराम जन्म से कैसे हैं?

(A) शूर
(C) डरपोक
(B) शरारती
(D) गंभीर

11- बालक कृष्ण कहां खेल रहे हैं?

(A) वन में
(C) नदी के किनारे
(B) आँगन में
(D) गौशाला में

12. कृष्ण अपने आप क्या कर रहे हैं?

(A) रो रहे हैं
(C) पढ़ रहे हैं
(B) गा रहे हैं
(D) सो रहे हैं

13 कृष्ण गाते-गाते क्या करते हैं?

(A) दौड़ते हैं
(C) सो जाते हैं
(B) नाचते हैं
(D) पढ़ते हैं

14. कृष्ण किन गायों को बुलाते हैं?

(A) लाल और पीली
(C) भूरी और काली
(B) काली एवं सफेद
(D) केवल सफेद

15-कृष्ण कभी कभी कहाँ चल जाते हैं?

(A) मंदिर में
(C) बगीचे में
(B) घर के भीतर में
(D) विद्यालय में

16- घर में जाकर कृष्ण क्या खाते हैं?

(A) दूध
(C) माखन
(B) लड्डू
(D) फल

17- माता यशोदा कहाँ से कृष्ण की लीला देख रही हैं?

(A) पास से
(C) घर से
(B) दूर से
(D) खिड़की से

18- कृष्ण किसे माखन खिलाते हैं?

(A) यशोदा को
(C) दाऊ को
(B) नंद बाबा को
(D) अपने प्रतिबिंब को

19- बाललीला के रचयिता कौन हैं?

(A) सूरदास
(B) कबीरदास

(C) तुलसीदास (D) रहीम

20- भक्ति काल के सर्वश्रेष्ठ कृष्ण भक्त कवि किसे माना जाता है?

(A) रहीम (C) तुलसीदास

(B) कबीरदास (D) सूरदास

उत्तरमाला

1.C, 2.C, 3.B,4.D,5.C,6.B,7.B,8.B,9.B,10.B,11.B,12.B, 13.B,14.B,15.B,16.C,17.B, 18.D,19.A,20.D

❖ भाग - 2

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए।

(i) बालक कृष्ण की बाललीला का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(ii) कृष्ण यशोदा से क्या शिकायत करते हैं और क्यों?

(iii) चुटकी देकर ग्वाल-बाल
क्यों नाचते हैं?

(iv) "सुर श्याम मोहि गोधन की सौ हों माता तू।"
इस पद को समझाइए।

(v) "पुनि-पुनि कहत कौन है माता, कौन है तुम्हारो तात।"
इस आशय को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

(i) बालक कृष्ण की बाललीला का वर्णन
बालक कृष्ण अपने घर के आँगन में अकेले खेलते है और नन्हे-नन्हे चरणों से नाचते हैं। वे कभी काली और सफेद गायों को बुलाते हैं। कभी नंद बाबा को पुकारते हैं। कभी घर के भीतर जाकर माखन खाते हैं और उसे अपने मुख पर भी लगा लेते हैं। कृष्ण माँ यशोदा से बड़े भाई बलराम के बारे में शिकायत करते हैं। सूरदास के अनुसार श्रीकृष्ण की ये बाल-लीलाएँ इतनी मोहक हैं कि उन्हें प्रतिदिन देखने पर भी मन नहीं भरता।

(ii) कृष्ण यशोदा से शिकायत करते हैं कि उनके बड़े भाई बलराम उन्हें बहुत चिढ़ाते हैं। बलराम और ग्वालबाल कृष्ण से कहते हैं कि नंद बाबा और यशोदा उनके असली माता-पिता नहीं हैं, उन्हें मोल कर लाया गया है। वे कृष्ण के साँवले रंग का भी मज़ाक उड़ाते हैं।
(iii)कृष्ण को बलराम चिढ़ाकर कहते हैं कि नंद गोरे हैं, यशोदा गोरी हैं, मगर तुम काले क्यों हो? तुम्हें मोल खरीदकर लाया गया है। यही बातें सुनकर कृष्ण को चिढ़ाने के लिए ग्वाल-बाल चुटकी बजाकर नाचते हैं।
(iv) जब बालक कृष्ण के मुख पर यशोदा गुस्सा देखती हैं और कृष्ण के मुख से गुस्से भरी बातें सुनती हैं, तो वह प्रसन्न हो जाती हैं। फिर कृष्ण से कहती हैं कि यह बलराम चुगलखोर हैं और शरारती हैं, वह गोधन की कसम खाकर कहती हैं कि कृष्ण ही उनका पुत्र है और वह कृष्ण की माता हैं।
(v) कृष्ण की बाललीला का वर्णन करते हुए कवि ने उसका सुंदर वर्णन किया है। कृष्ण को बलराम चिढ़ाने के लिए बार-बार कहते हैं कि "तुम्हारी माता कौन है और पिता कौन हैं? तुम उनके पुत्र नहीं हो। तुम्हे खरीदकर लाया गया है।



गोस्वामी तुलसीदास

कवि परिचय :- गोस्वामी तुलसीदास

जन्म :- सन 1532, उत्तर प्रदेश के राजापुर

देहांत :- सन 1633 3

काल :- भक्तिकाल

धारा :- सगुण धारा

शाखा :- रामभक्ति शाखा

गुरु :- नरहरिदास

लोकप्रिय ग्रंथ :- रामचरित मानस

अन्य ग्रंथ :- विनय पत्रिका, कवितावली, दोहावली, गीतावली आदि।

❖ दोहे विषयक मुख्य बिंदुएँ

- मीठे वचन सबको प्रिय होते हैं।
- इससे मनुष्यों को वश में करने की शक्ति है। यह वशीकरण मंत्र के समान हैं।
- मीठे वचन से सुख और शांति प्राप्त होती है।
- कटु वचन चित्त और मन को घायल करके अधिक कष्ट देती है।
- घोड़े, हाथी, रत्नाभूषण, गाय आदि प्रकृत पक्ष में सच्चे धन न हो कर संतोष धन होता है। जिसके पास संतोष यानी शांति है, वह सबसे बड़ा धनी है।
- मनुष्य के पास शांति न होने के वजह से वह चिंतित रहता है।
- संतोष धन के सामने सारे धन धूल के बराबर होता है।
- मनुष्य को क्रोध नहीं करना चाहिए। क्रोध के समय बोलने वाली रसना तलवार से भी ज्यादा घाव करती है।
- तलवार शरीर पर घाव करती है, पर कड़वी बातें चित्त और मन दोनों पर प्रहार करती हैं।

• बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर (MCQ's)

1. तुलसीदास किस काल के हैं?

A.आदिकाल
C.रीतिकाल
B.भक्तिकाल
D. आधुनिक काल

2. तुलसीदास का जन्म कब हुआ?

A.1440
C.1530
B.1532
D.1450

3. तुलसीदास के गुरु कौन थे?

A.रामानंद
C. रामचन्द्र शुक्ल
B.वल्लभाचार्य
D. नरहरिदास

4. तुलसीदास जी के महाकाव्य का नाम क्या है? (लोकप्रिय ग्रंथ)

A.विनयपत्रिका
C.हनुमान चालीसा
B.रामचरितमानस
D.कवितावली

5. तुलसीदास जी की मुख्य भाषा क्या है?

A.मैथिली
C.अवधी
B.ब्रज
D.मगही

6. किससे सुख उत्पन्न होता है?

A.कटु वचन C.मित्र वचन

B. साधु वचन D.मीठे वचन

7. वशीकरण मंत्र क्या है?

A.मीठे वचन C.रानी वचन

B.कटु वचन D.सभी वचन

8. सब धन से बड़ा धन क्या होता है?

A.कुधन C.रत्न धन

B.सुधन, D.संतोष धन

9. किसके आगे सब धन धूरी समान है?

A.गौ धन C.बाजी धन

B.गज धन D.संतोष धन

10. क्रोध के समय क्या नहीं खोलना चाहिए?

A.मुट्ठी C.चाकू

B.तलवार D.रसना

11. क्या विचार करके बोलना चाहिए?

A.उपदेश C.गल्प

B.कहानी D. वचन

12. क्या सुनने पर परिणाम हित होता है?

A.गली C.लांछन

B.अपशब्द D.मीठे वचन

13. तुलसी जी किसे परिहार करने को कहते हैं?

A.मधुर वचन C.छोटे वचन

B. कठोर वचन D.बड़े वचन

14. कवि ने सन्तोष की किसके साथ तुलना की है?

A.गज C.संतोष

B.बाजी D.धन

15. 'विनय पत्रिका' किसकी रचना है?

A.सूरदास C.तुलसीदास

B.मीराबाई D.रहीम

16. तुलसीदास जी किस धारा के हैं?

A.निर्गुण C.द्रविण

B.सगुण, D.अध्रुव

17. तुलसीदास की साखा क्या है?

A.कृष्णभक्ति C.रामभक्ति

B.रागा शाखा D.प्रेमभक्ति

18. तुलसीदास जी का जन्म कहाँ हुआ?

A.श्रीनगर C.लखनऊ

B.राजापुर D.दिल्ली

19. तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था?

A.धनवीर C.रामबोला

B.रामानंद D.कर्मवीर

20. नरहरिदास के गुरु कौन थे?

A.तुलसीदास C.रामानंद

B.सूरदास D.वल्लभाचार्य

उत्तरमाला

1.B,2.B,3.D,4.B,5.C,6.D7.A,8.D,9.D,10.D,11.D,12.D,13.B, 14.D,15.C,16.B,17.C,18.B,19.C,20.C

❖ भाग - 2

प्रश्न

1. राम न रसना लिखिए---------- कोमल वचन बोलिए।
2. तुलसी मीठे वचन ते----------परिहरू वचन कठोर।
3. गोधन, गजधन---------- सब धन धूरी समान।

उत्तर

1.

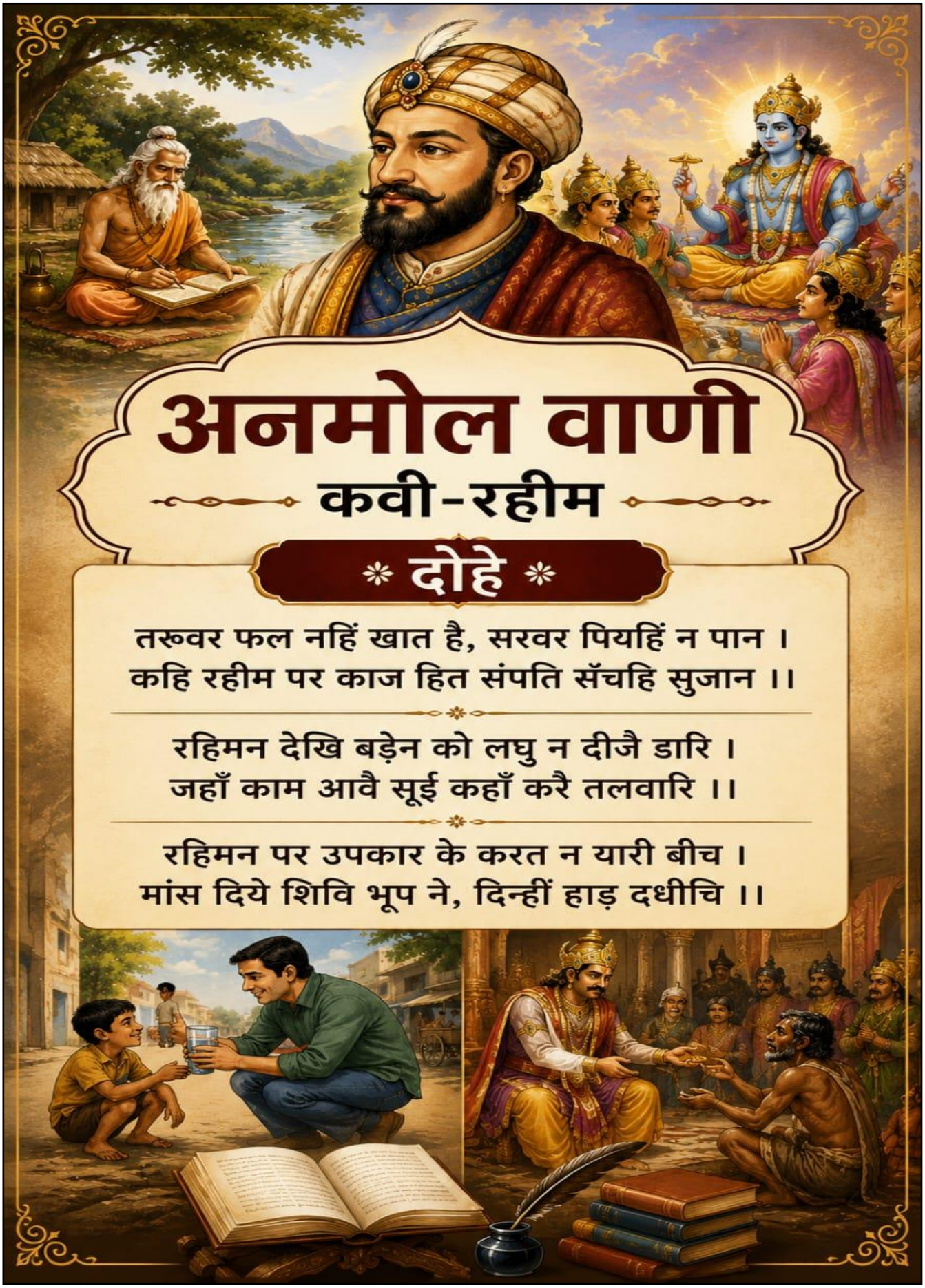
तुलसीदास जी कहते हैं कि क्रोध के समय मुँह से ऐसी तेज बात निकल जाती है, जो सबको चोट पहुँचाती है। इसलिए क्रोध के समय वचन नहीं बोलना चाहिए। तलवार और मुँह की तुलना करते हुए कहते हैं कि तलवार का घाव समय के साथ भर जाता है, पर एक कटु वचन दिल में घाव बना डालता है। इसलिए सदा मधुर वचन बोलनी चाहिए।

2.

तुलसीदास जी कहते हैं कि मीठे वचन से चारों ओर सुख फैलता है। मीठे वचन की तुलना वशीकरण-मंत्र से की गई है क्योंकि इसमें सबको अपने वश में करने की क्षमता होती है। अतः कठोर वचन छोड़कर हमेशा मीठे वचन बोलने चाहिए। (2024)

3.

तुलसीदास जी कहते हैं कि जिनके पास पर्याप्त गाय, भैंसें, हाथी और घोड़े होते हैं, या धन-राशि आदि होती है, वे संसार में सबसे अधिक धनी कहलाते हैं। लेकिन यदि उनके मन में संतोष नहीं है तो सब कुछ होते हुए भी वे वास्तव में धनहीन हैं। संतोष धन के सामने अन्य सभी धन धूल के समान हैं। इसलिए इस प्रकार के धन से वास्तविक सुख की प्राप्ति नहीं होती। (2016)


अनमोल वाणी
कवी-रहीम
दोहे
तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियहिं न पान ।
कहि रहीम पर काज हित संपति सँचहि सुजान ।।
रहिमन देखि बड़ेन को लघु न दीजै डारि ।
जहाँ काम आवै सूई कहाँ करै तलवारि ।।
रहिमन पर उपकार के करत न यारी बीच ।
मांस दिये शिवि भूप ने, दिन्हीं हाड़ दधीचि ।।

रहीम

कवि परिचय :-

पूरा नाम :- अब्दुरहीम खानखान (रहीम)
जन्म :- 17 दिसंबर 1556 ई. (लाहौर, वर्तमान पाकिस्तान)
मृत्यु :- 1 अक्टूबर 1627 ई. (दिल्ली)
पिता :- बैरम खाँ (अकबर के अभिभावक एवं सेनापति)
माता :- सुल्ताना बेगम
पालन-पोषण :- पिता की मृत्यु के बाद उनका बचपन अकबर के महल में बीता ।

अकबर के दरबार में उन्हें "खानखाना" की उपाधि मिली ।
भाषा-ज्ञान :- रहीम निम्न भाषाओं के विद्वान थे -
हिन्दी, संस्कृत, फारसी, अरबी, तुर्की
स्वभाव :- दयालु, विनम्र, दानी, परोपकारी, भारतीय संस्कृति के प्रेमी ।
साहित्यिक विशेषताएँ :-
नीति, भक्ति और मानवता के महान कवि ।
सरल एवं प्रभावशाली भाषा का प्रयोग ।
उनके दोहों में भक्ति, नीति, वैराग्य, प्रेम और शृंगार का सुंदर चित्रण मिलता है
प्रमुख रचनाएँ :-
रहीम रत्नावली, रहीम विलास, मदनाष्टक, नगर शोभा, रास पंचाध्यायी ।
भाषा-शैली :- ब्रजभाषा, अवधी, हिन्दी,
शैली: दोहा, नीति, भक्ति एवं सरल काव्य शैली ।

कविता (रहीम के दोहे) के महत्वपूर्ण बिंदु

- ❖ यह कविता परोपकार और निस्वार्थ सेवा का संदेश देती है ।
- ❖ पेड़ अपने फल स्वयं नहीं खाते, बल्कि दूसरों के हित के लिए देते हैं ।
- ❖ सरोवर अपना पानी स्वयं नहीं पीता, बल्कि सबकी प्यास बुझाता है ।

- ❖ मनुष्य को अपनी संपत्ति, ज्ञान और शक्ति का उपयोग समाज के लिए करना चाहिए ।
- ❖ किसी भी व्यक्ति या वस्तु को छोटा समझकर तिरस्कार नहीं करना चाहिए ।
- ❖ छोटी वस्तु भी समय आने पर बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं ।
- ❖ हमें शरण में आए व्यक्ति की रक्षा करनी चाहिए तथा दूसरों के लिए त्याग और परोपकार की भावना रखनी चाहिए ।
- ❖ राजा शिवि ने त्याग, दया और परोपकार का सर्वोच्च आदर्श प्रस्तुत किया ।
- ❖ ऋषि दधीचि का जीवन त्याग, परोपकार, निस्वार्थ सेवा और मानव कल्याण का सर्वोच्च आदर्श प्रस्तुत करता है ।
- ❖ दूसरों की भलाई के लिए किया गया त्याग ही सच्चा परोपकार और महानता का प्रतीक है ।

OBJECTIVE QUESTION WITH ANSWER

रहीम के दोह

(नीचे दिए गए चार विकल्पों में सही उत्तर चुने)

Q. 1. किसने अपनी हड्डियों का दान दिया था ?

- ▯ शिवि
- ▯ दधीचि
- ▯ विष्णु
- ▯ वृत्रासुर

2. सुई की जगह क्या इस्तेमाल नहीं किया जा सकता ?

- ▯ त्रिशूल
- ▯ बंदूक
- ▯ तलवार
- ▯ बज्र

3. पेड़ क्या नहीं खाता है ?

- ▯ आलोक
- ▯ पवन
- ▯ खाद
- ▯ फल

4. रहीम का पूरा नाम क्या है ?

 अब्दुरहीम खानखाना रहीम खानखाना

 रहीम जी अब्दुर खान

5. शिवि भूप ने क्या दान दिया था ?

 मांस अनाज

 गाय धन

6. दधीचि कौन है ?

 राजा सैनिक

 ऋषि मंत्री

7. परोपकार करते समय क्या जरूरी नहीं है ?

 सुपात्र की जानकारी जान पहचान या दोस्ती

 अपना-पराया विचार अपनी क्षमता का आभास

8. सरवर क्या नहीं पीता है ?

 दही पानी

 दूध घी

9. सृजन संचय करता है_____

 घर जल

 धन फल

10. बड़े लोग के मित्र होने पर किसे नहीं छोड़ना चाहिए ?

 गरीबों को रिश्तेदारों को

 छोटे लोगों को पड़ोसियों को

11. परोपकार किसे कहा गया है ?

 महान कार्य बुरा कार्य

 कठिन कार्य छोटा कार्य

12. वज्र से किसका वध हुआ ?

 रावण वृत्रासुर

 कंस हिरण्यकशिपु

13. देवतागण वृत्रासुर को मारने के लिए सहायता लेने किसके पास गए थे ?

 राम शिव

 भगवान विष्णु इन्द्र

14. दधीचि किस नदी के किनारे रहते थे ?

 गंगा गोदावरी

 यमुना सरस्वती

15. शिवि राजा ने किसे शरण दी ?

 बाज मोर

 कबूतर तोता

16. सुजान किसके लिए अपना संपत्ति का संचय करता है ?

 अपने लिए परोपकार के लिए

 परिवार के लिए व्यापार के लि

17. सुई की जगह तलवार मिलने पर क्या होगा ?

 काम हो जाएगा जल्दी काम होगा

 कोई काम नहीं होगा अच्छा काम होगा

18. शिबि कौन हैं ?

 राजा सैनिक

 ऋषि मंत्री

19. तालाब अपना पानी क्यों नहीं पीता ?

 वह पी नहीं सकता पानी गंदा होता है

 दूसरे के प्यास बुझाने के लिए पानी सिर्फ पेड़ के लिए

20. पेड़ अपना फल क्या करता है ?

 दूसरा पेड़ को दीखाना चाहता है

 दूसरों केली छोड़ देता हैं

 पेड़ खा लेता है

 अपने पास रखता है

उत्तरमाला

1.C 2. B 3. D 4. A 5. A. 6. B 7. C 8. C 9. B. 10. B 11. A
12. C 13.B 14. D 15. B 16.C 17. B 18. A 19.B 20. B

LONG TYPE QUESTIONS

1 Q. "जहाँ काम आवे सुई कहा करें तलवारी" आशय स्पष्ट कीजिए ?

ANS. जहाँ सुई काम में आती हैं, वहाँ तलवार काम में नहीं आ सकती। अपने-अपने स्थान पर प्रत्येक का महत्व हैं। समाज में बड़े हो या छोटे, प्रत्येक की आवश्यकता पड़ती हैं। इसलिए छोटा समझकर किसी को अवहेलना नहीं करनी चाहिए।

2 Q. "वृक्ष कबहु फल नहीं खाता हैं, सरवर पियहि न पान कहि। रहीम पर काज हित संपत्ति संचहि सुजान" (आशय स्पष्ट कीजिए)

ANS. इस पंक्ति में कवि रहीम कहते हैं कि पेड़ अपना फल खुद नहीं खाता और तालाब अपना पानी खुद नहीं पीता। दूसरों की भूख मिटाने के लिए पेड़ फल धारण करता हैं और दूसरों की प्यास मिटाने के लिए तालाब पानी का संचय करता हैं। ठीक इस तरह सज्जन व्यक्ति दूसरों की भलाई के लिए धन संचय करते हैं क्योंकि परोपकार एक महान कार्य हैं।

3 Q. "रहिमन पर उपकार के करत न यारी बीच।
,"मांस दियो शिवि भूप ने, दियो हाड़ दधीचि॥" (आशय स्पष्ट कीजिए)

ANS. प्रस्तुत पंक्ति में रहीम जी बताते हैं कि उपकार करने समय पराया दोस्ती का विचार करना जरूरत नहीं। यदि वह परिचित हो या अपरिचित, सबका उपकार करना चाहिए, क्योंकि दोनों में भलाई ही भलाई हैं। राजा शिवि ने कबूतर की जान बचाने के लिए अपना शरीर दान कर दिया था और देवताओं के श्रेष्ठ ऋषि दधीचि के निर्देशों के लिए परोपकार स्वरूप ऋषि ने अपनी अस्थियों दान में दे दी थी।

4 Q. "रहिमन देखि बड़ेन को लघु न दीजिए डारि" - (आशय स्पष्ट कीजिए)

ANS. संसार में हमें भाँति-भाँति के लोगों से अलग-अलग काम लेने की आवश्यकता पड़ती हैं। जिस प्रकार सुई आवश्यकता पड़ने पर जो काम करती वह काम तलवार नहीं कर सकती, उसी प्रकार एक सामान्य आदमी के काम की जरूरत पड़ने पर वह काम एक धनवान आदमी नहीं कर सकता। इसलिए दोनों का आदर करना चाहिए।

कविता मनुष्यता

कवि परिचय

मैथिली शरण गुप्त



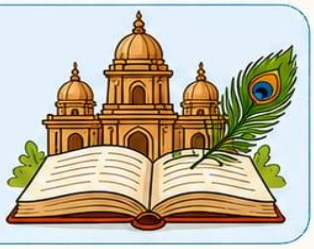
1. मैथिली शरण गुप्त का जन्म चिरगाँव, झाँसी (उत्तर प्रदेश) में सनू 1886 में हुआ था।



2. अपने जीवन काल में ही वे 'राष्ट्रकवि' के नाम से प्रसिद्ध हुए।



3. उन्होंने भारतीय जीवन के आदर्श, इतिहास और संस्कृति को अपने काव्य का आदर्श बनाया।



4. स्नेह, प्रेम, दया, उदारता जैसे मानवीय भावों को भी साहित्य के माध्यम से उजागर किया।



> "ऐसा जीवन जियो कि मरने के बाद भी लोग तुम्हें तुम्हारे अच्छे कर्मों से याद करें।"





सच्चा मनुष्य वही है जो
★ मानवता की सेवा करे और दूसरों के लिए जिए। ★



➢ कविता की महत्वपूर्ण बिंदु ---

- ❖ मनुष्य को महान बनने के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए।
- ❖ जन्म लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति की एक दिन मृत्यु निश्चित है, इसलिए मृत्यु से नहीं डरना चाहिए।

- ऐसा जीवन जीना चाहिए कि मरने के बाद भी लोग हमें हमारे अच्छे कार्यों से याद रखें।
- दूसरों की सहायता करने वाला व्यक्ति कभी नहीं मरता, वह अपने कार्यों से अमर हो जाता है।
- धन, शक्ति और परिवार का घमंड नहीं करना चाहिए।
- ईश्वर सबके साथ हैं, इसलिए कोई भी वास्तव में अकेला या अनाथ नहीं है।
- सभी मनुष्य एक-दूसरे के भाई-बहन हैं, इसलिए सभी से प्रेम और सम्मान का व्यवहार करना चाहिए।
- हमें हमेशा अच्छे कर्म करने चाहिए, क्योंकि कर्मों के अनुसार ही फल मिलता है।
- समाज में सुख और शांति तभी बनी रहती है, जब हम एक-दूसरे का दुःख बाँटते हैं और सहायता करते हैं।
- कविता का संदेश: सच्चा मनुष्य वही है जो मानव सेवा करे, दूसरों के काम आए और मानवता के लिए अपना जीवन समर्पित करे।

➢ बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर (MCQ's)

1.कवि किससे न डरने की बात कह रहे हैं

A. मृत्यु
C. दोस्ती
B. यात्रा
D. दुश्मनी

2.मनुष्य क्या पाकर मदांध हो जाता है

A. परिवार
C. वित्त
B. दोस्त
D. सोना

3.किसके बड़े हाथ है

A. त्रिलोकनाथ
C. भाई
B. सनाथ
D. मित्र

4.कवि ने किसे भाग्यहीन कहा है

A. निर्धन को
C. दुर्बल व्यक्ति को
B. जो अधीर होता है
D. दयावान को

5.पुराण पुरुष कौन है

A. माता
C. भाई
B. पिता
D. बहन

6. वेद किसका प्रमाण है

A.अंतर की एकता B. बंधु की एकता C.बाहर की एकता D.मनुष्य की एकता

7.संसार में मनुष्य का बंधु कौन है

A. भगवान
B. माता-पिता
C. दोस्त
D. मनुष्य

8.कौन बंधु की व्यथा हरण कर सकता है

A. शिक्षक
B. बंधु
C. माता-पिता
D. बहन

9.कवि ने किसे मनुष्य कहा है

A. जो अपने लिए जीता है
B. जिसे धन का अहंकार नहीं होता
C. जो घमंडी होता है
D. जो मनुष्य की सेवा करता है

10.इनमें से स्वयंभू कौन है

A. तपन
B. आत्मा
C. योगीराज
D. परमात्मा

11.कवि ने किस प्रकार की मृत्यु को प्राप्त करने की बात कही है

A. कुमृत्यु
B. सुमृत्यु
C. अपमृत्यु
D. आत्महत्या

12.इनमें से पशु प्रवृत्ति कौन सा है

A. अपने स्वार्थ के लिए जीना
B. बुद्धि हीनता को दिखाना
C. दूसरों की मदद करना
D. मनुष्य की सेवा करना

13.विचार को की मर्त्य हो यहां मर्त्य का अर्थ _____है

A. स्वर्गलोक
B. मरणशील
C. पृथ्वीलोक
D. पाताललोक

14.कवि के अनुसार सबसे बड़ा विवेक _____है

A. दीनबंधु के बड़े हाथ है
B. सारे मनुष्य आपस में भाई-भाई है
C. मनुष्य को अपने लिए जीना चाहिए
D. मृत्यु से डरने की आवश्यकता नहीं है

15.यदि बंधु ही बंधु की व्यथा हरण नहीं करता तो _____हो जाएगा

A. अर्थहीन
B. अनर्थ
C. सार्थक
D. निरर्थक

उत्तरमाला

1.A 2.C 3.A 4.B 5.B 6.A 7.D 8.B 9.D 10.D 11.B 12.A 13.B 14.B 15.B

➢ विशेष अध्ययन के लिए प्रश्नोत्तर-

1. 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ? या 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराण पुरुष स्वयं पिता प्रसिद्ध एक है । [2024]
   उः प्रस्तृत पद्यांश मनुष्यता कविता से लिया गया है इस के रचयता मैथिली शरण गुप्त जी है।

   कवि मैथिलीशरण गुप्त जी कहते हैं कि सबसे बड़ी विवेकपूर्ण बात यह है कि हम सभी मनुष्य भाई-भाई हैं। हम सब के परमपिता एक ही परमेश्वर हैं जो पुराण-पुरुष हैं और स्वयं उत्पन्न हुए हैं। जब हम एक ही परमपिता की सन्तानें हैं तो भाई-भाई ही हैं।

2. अनाथ कौन है यहाँ ? त्रिलोकनाथ साथ हैं, कवि ने ऐसा क्यों कहा है स्पष्ट कीजिए ? या कवि ने क्यों कहा कि यहां कोई अनाथ नहीं है? [2025]
   उः प्रस्तृत पद्यांश मनुष्यता कविता से आया है इसके कवि मैथिली शरण गुप्त जी है। कवि मैथिलीशरण गुप्त जी कहते हैं कि दुनियां में सबके स्वामी ईश्वर हैं। वे सबके पिता हैं। दयालु हैं और गरीबों पर कृपा करते हैं। उनके हाथ बहुत बड़े हैं अर्थात् वे हर दुःखी व्यक्ति को मदद पहुँचाते हैं। इसलिए कवि ने कहा है कि संसार में कोई अनाथ नहीं है।

3. वही पशु प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे भाव स्पष्ट कीजिए ? [2016]
   उः प्रस्तृत पद्यांश मनुष्यता कविता से आया है इसके कवि मैथिली शरण गुप्त जी है। कवि मैथिलीशरण गुप्त जी ने यहाँ मनुष्यता और पशुता का अन्तर बताया है। आज का मनुष्य अपने स्वार्थों की पूर्ति हेतु लोकहित जैसी भावना को भूलता जा रहा है। जो मनुष्य अपने लिए जीता है, वह पशु के समान है क्योंकि पशु के जीवन का उद्देश्य सिर्फ खाना और सोना होता है। वह भी स्वयं खाता है, दूसरों को नहीं खिलाता है। मनुष्य वह है जिसका जीवन लोक हित में व्यतीत होवे ।
4. कविने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है
   उः जब कोई मनुष्य अपने जीवन में सत्कर्म करता है दूसरों के लिए बलिदान देता है तो वह मर कर भी अमर हो जाता है। मरणोपरान्त भी लोग उसे श्रद्धा से याद करते हैं। ऐसी मृत्यु ही सुमृत्यु होती है। वरना जीना भी बेकार है और मरना भी बेकार है।

5. रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में । सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में भाव स्पष्ट कीजिए ?

उः प्रस्तृत पद्यांश मनुष्यता कविता से आया है इसके कवि मैथिली शरण गुप्त जी है। कवि मैथिलीशरण गुप्त जी कहते हैं कि धन सम्पत्ति तुच्छ हैं, महत्वहीन हैं। इस निस्सार वस्तु को पाकर कभी भी भूल से भी अहंकार में अन्धे नहीं होना चाहिए। किसी का स्वामी बलशाली या प्रभुत्ववाला है तो इस बात का उसके मन में घमण्ड नहीं होना चाहिए, क्योंकि दुनियां में अनाथ कोई भी नहीं है।।

6. विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी, मरो परंतु यों करो कि याद जो करें सभी भाव स्पष्ट कीजिए ? या कवि किससे न डरने की बात कह रहे हैं ? [2020]
7. अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे; वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे भाव स्पष्ट कीजिए ? [2019,2016]

एक तिनका


एक तिनका
कविता का भावार्थ और सीख
छोटा सा तिनका भी हमें बड़ी सी समझ दे सकता है।
1
मैं घमंडों में भरर ऐंठा हुआ,
एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा ।
मैं सबसे बढा हूँ !
2
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा ।
3
मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा,
लाल होकर आँख भी दुखने लगी ।
4
मुँद देने लोग कपड़े की लगे,
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भागी ।
ऐंठ
5
जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए ।
समझ
6
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए ।
भावार्थ
घमंड करना व्यर्थ है।
छोटी सी चीज भी हमें
बहुत बड़ी सीख दे सकती है।
क्या सीखें?
घमंड करने से हमें नुकसान हो सकता है।
छोटी चीज़ों को भी हल्के में नहीं लेना चाहिए।
समझदारी हमें विनम्र बनाती है।
सोचें और बताएं
कवि को क्या समझ आया?
तिनके ने कवि को क्या सिखाया?
आपको इस कविता से क्या सीख मिली?
याद रखें
विनम्रता में ही सच्ची महानता है।

- कवि परिचय -

✓ नाम - अयोध्यासिंह उपाध्याय "हरिऔध"

✓ जन्म - सन् 1865

✓ जन्म स्थान - उत्तर प्रदेश के अजमगड जिले के

✓ निजामबाद

✓ भाषा ज्ञान : हिन्दी, संस्कृत, फारसी

✓ प्रमुख रचनाएँ: प्रिय प्रवास, वैदेही वनवास, कर्मवीर, रसकलश, चोखे चौपदे, चुमते चौपदे,'

✓ भाषा शैली खडीबोली

- मुख्य भाव

अंहकार का त्याग, विनम्रता का महत्व तथा छोटी से छोटी वस्तु के महत्व को समझना।

- संदेश :-

✓ . कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए।

✓ किसी को छोटा या कमजोर नहीं समझना चाहिए

✓ जीवन में छोटी से वस्तु भी बड़ा प्रभाव सकता है। डाल -

✓ विनम्रता ही मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण ।

- सारांश:

कवि एक दिन धमप्ड में भरकर ऐंठे हुए छत के मुंडेर पर खड़े थे। तब कहीं से एक तिनका उनकी आखों में आ गिरा। झुइतलाकर परेशान हो उठे। होगया और दुखने लगी आँख जलकर लाल होगया और दुखने लगी।

➢ बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर (MCQ's)

1. कवि कहाँ खड़े थे?

A. बगीचे में
C. मुंडेर पर
B. मंदिर पर
D. नदी किनारे

2. कवि की आँख में क्या पड़ा?

A. धूल
C. कंकड़
B. तिनका
D. पत्ता

3. तिनका कहाँ से उड़कर आया?

A. पास से
C. दूर से
B. घर से
D. खेत से

4. तिनका आँख में पड़ते ही कवि कैसा हो गया?

A. प्रसन्न
C. शांत
B. बेचैन
D. खुश

5. तिनका पड़ने से आँख कैसी हो गई?

A. नीली
C. लाल
B. पीली
D. काली

6. आँख में तिनका पड़ने पर क्या दुखने लगा?

A. कान
C. आँख
B. सिर
D. हाथ

7. मुँह देने लोग किसकी लाज बचा रहे थे?

A. कवि की
B. गाँव की

C. कपड़े की
D. मित्र की

8. बेचारा तिनका कहाँ दबा भागा?

A. पत्तों में
C. मिट्टी में
B. कपड़ों में
D. पानी में

9. तिनका कब निकला?

A. हवा चलने पर
C. वर्षा होने पर
B. किसी दबाव से
D. धूप निकलने पर

10. तिनका निकलने पर कवि ने क्या किया?

A. हँसे
C. ताने दिए
B. रोए
D. सो गए

11. 'समझ' ने कवि को क्या दिए?

A. फूल
C. पुरस्कार
B. ताने
D. उपहार

12. समझ ने कवि से क्या कहा?

A. रोओ मत।
C. ऐंठता मत फिर।
B. हँसते रहो।
D. घर जाओ।

13. कविता का मुख्य संदेश क्या है?

A. धन कमाना
C. खेलना चाहिए
B. अहंकार नहीं करना चाहिए
D. यात्रा करनी चाहिए

14. कवि के अनुसार छोटा तिनका क्या सिखाता है?

A. मेहनत
C. विनम्रता
B. ईमानदारी
D. साहस

15. 'एक तिनका' कविता के कवि कौन हैं?

A. मैथिलीशरण गुप्त
C. रामधारी सिंह 'दिनकर'
B. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
D. सुभद्रा कुमारी चौहान

16. कविता में 'लाल होकर' शब्द किसके लिए आया है?

A. चेहरा
C. आँख
B. हाथ
D. पैर

17. तिनका किसका प्रतीक है?
A. शक्ति का
C. विजय का
B. छोटी-सी बाधा का
D. धन का

18. कविता में कवि का स्वभाव कैसा दिखाई देता है?
A. अहंकारी
C. क्रोधित
B. विनम्र और आत्मचिंतनशील
D. आलसी

उत्तरमाला

1.C 2.B 3.C 4.B 5.C 6.C 7.C 8.A 9.B 10.C
11.B 12.C 13.B 14.C 15.B 16.C 17.B 18.B

➢ विशेष अध्ययन के लिए प्रश्नोत्तर-

1.किसी तरह आँख से तिनका निकल गया तो कवि को क्या अनुभव हुआ ?

उः किसी तरह आँख से तिनका निकल गया तो कवि को आराम मिला । कवि को एक बात समझ में आ गई । उनकी बुद्धि ने उन्हें ताना मारते हुए कहा कि - "तुम्हारे घमण्ड को चूर करने के लिए एक छोटा सा तिनका ही काफी है।

2."एक तिनका" कविता का मूल भाव क्या है ?

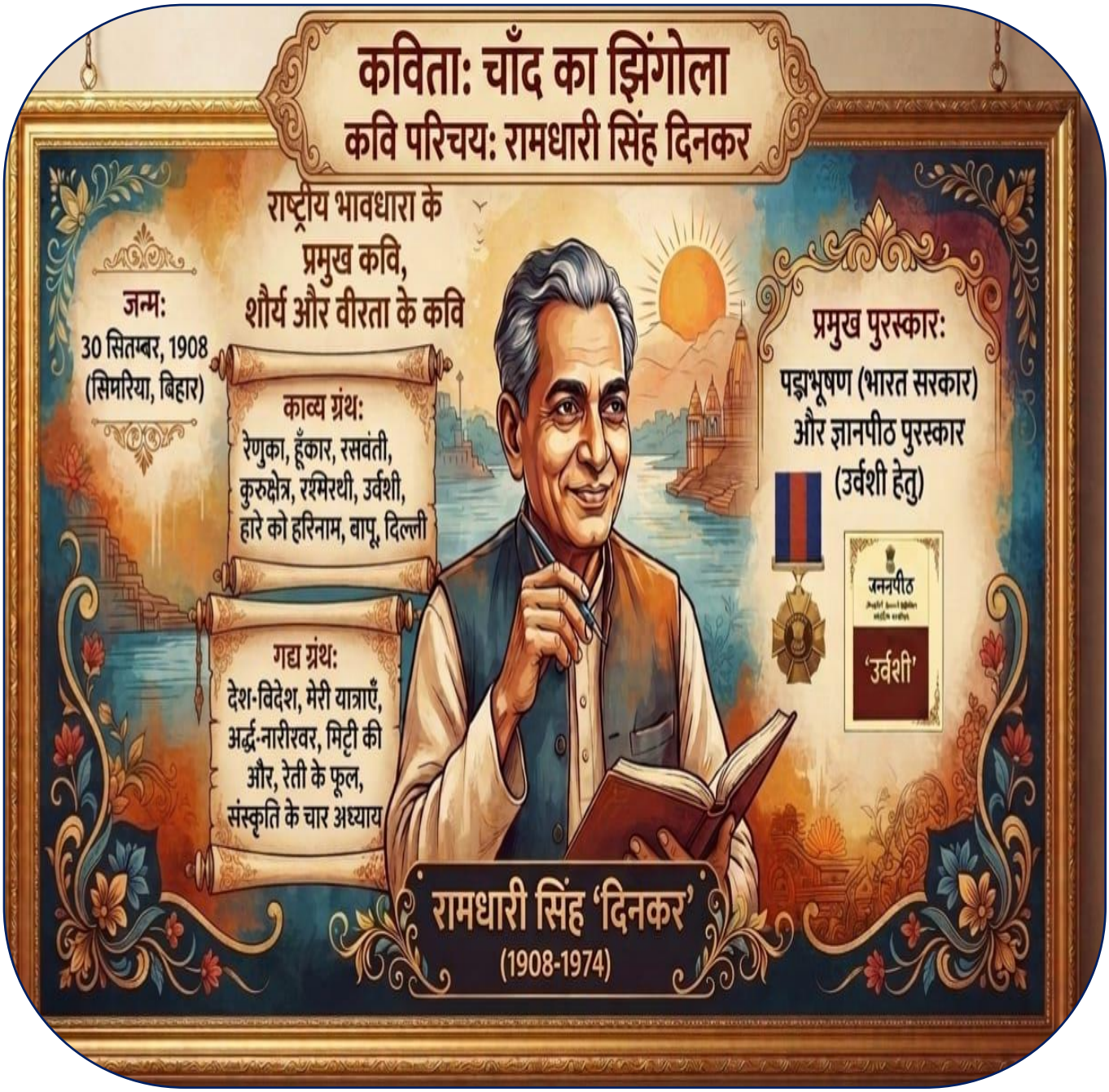
उ:"एक तिनका" कविता का मूल भाव यह है कि मनुष्य को खुद पर बहुत घमण्ड होता है । पर इस घमण्ड को चूर करने के लिए एक छोटा सा तिनका ही काफी है। हमारे जीवन को छोटी-छोटी चीजें भी बदल सकती हैं।

3.मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन - सा । लाल होकर आँख भी दुखने लगी ।

उः जब कवि की आँख में अकस्मात एक तिनका गिर पड़ा ती वे झिझक उठे, झेंप गए और फिर व्याकुल हो गए । उनकी आँख लाल हो गई और उसमें दर्द होने लगा ।

4. ऐंठता तू किस लिए इतना रहा, एक तिनका है बहुत तेरे लिए ।

उः जब कवि की आँख से तिनका निकल गया और उन्हें आराम मिला तो उनको एक बात समझ में आई । वह यह कि मनुष्य को इतना घमण्ड नहीं करना चाहिए । उसके अभिमान और ऐंठ को चूर-चूर करने के लिए एक छोटा सा तिनका ही पर्याप्त है।



➢ कविता की महत्वपूर्ण बिंदु ---

- ❖ चाँद की जिद: एक दिन चाँद अपनी माता (धरती) से जिद कर बैठता है कि उसे ठंड से बचने के लिए ऊन का एक मोटा कुरता (झिंगोला) सिलवा दिया जाए।
- ❖ ठंड की परेशानी: चाँद अपनी माँ को बताता है कि रात भर ठंडी हवा चलती है, जिससे वह काँपता रहता है और बड़ी मुश्किल से रोते-ठिठुरते हुए अपनी रात की यात्रा पूरी करता है।

- किराए/ भाड़े के कपड़े की माँग: चाँद कहता है कि आसमान का सफर बहुत लंबा है और मौसम बहुत ठंडा है, इसलिए अगर नया कुर्ता नहीं सिलवा सकतीं, तो किराए/ भाड़े का ही कोई पुराना कुर्ता ला दो।
- माँ की चिंता और प्यार: माँ अपने प्यारे बच्चे (चाँद) को दुलारते हुए कहती है कि भगवान तुम्हारा भला करे और तुम्हें किसी की बुरी नजर या जादू-टोना न लगे।
- आकार बदलने की समस्या: माँ अपनी असली लाचारी बताती है कि जाड़े की बात तो सही है, लेकिन वह चाँद का कुर्ता किस नाप का सिलवाए? क्योंकि चाँद कभी भी एक नाप में नहीं रहता।
- घटता-बढ़ता रूप: चाँद कभी एक उंगली जितना पतला हो जाता है, तो कभी पूरा एक फुट मोटा। वह किसी दिन बहुत बड़ा दिखाई देता है, तो किसी दिन बहुत छोटा।
- अमावस्या का दिन: माँ कहती है कि रोज घटते-बढ़ते हुए एक दिन ऐसा भी आता है जब तुम आसमान में बिल्कुल भी दिखाई नहीं देते (अमावस्या की रात)।
- माँ का उलझा हुआ सवाल: आखिर में माँ हार मानकर चाँद से ही पूछती है कि तुम ही बताओ कि तुम्हारी नाप किस दिन ली जाए, ताकि ऐसा कुर्ता सिला जा सके जो तुम्हारे बदलते शरीर में हर रोज बिल्कुल सही आ सके।

➢ बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर (MCQ's)

1. एक दिन चाँद ने माँ से क्या कहा है -

(A) मुझे रात भर जागना है।
(B) एक मोटा-सा झिंगोला सिलवा दो।
(C) मेरा कद रोज बढ़ता है।
(D) लोग मुझे जादू टोना कहते हैं।

2. चाँद किससे हठ कर बैठा था -

(A) पिता
(B) माँ
(C) दादी
(D) बहन

3. 'हठ' शब्द का अर्थ है -

(A) शैतान
(B) जिद्द
(C) स्थिर
(D) बदमाश

4. चाँद ने किसका सफर कठिन बताया -

(A) धरती का
(C) आसमान का
(B) जंगल
(D) नदी का

5. रात भर किस तरह हवा चलती है -

(A) कल-कल
(C) कुन-कुन
(B) सन-सन
(D) होले-होले

6. यदि झिंगोला न मिले तो चाँद ने क्या माँगा -

(A) टोपी
(C) कुरता
(B) कंबल
(D) मोजे

7. माँ ने चाँद को किस नाम से बुलाया -

(A) प्यारे
(C) सलोने
(B) लाल
(D) मुन्ना

8. चाँद कभी-कभी कितना चौड़ा दिखाई देता था?

(A) एक मीटर
(C) दो फुट
(B) एक उँगली भर
(D) छह फुट

9. किस दिन चाँद बिल्कुल नहीं दिखाई देता -

(A) पूर्णिमा
(C) एकादशी
(B) अमावास्या
(D) अष्टमी

10. कौन रोज़ घटता-बढ़ता है -

(A) सूरज
(C) माँ
(B) चाँद
(D) आसमान

11. चाँद किस तरह यात्रा पूरी करता है -

(A) रो-रो कर
(C) ठिठुर-ठिठुर कर
(B) चलते-चलते
(D) दौड़-दौड़ कर

12. चाँद कैसा झिंगोला चाहता है ?

(A) सूती का
(C) मखमल का
(B) ऊन का
(D) रेशम का

13. जाड़े में वह किस तरह मरता है?

(A) भूख से
(C) डर से
(B) सफ़र से
(D) ठंड से

14.चाँद भाड़े में क्या लाने को कहता है?

(A) धोती

(B) स्वेटर

(C) कुर्ता

(D) चादर

15. "सोलाने" शब्द का अर्थ है–

(A) आलसी

(B) सुन्दर

(C) असुंदर

(D) मधुर

<u>उत्तरमाला</u>

1.B 2.B 3.B 4.C 5.B 6.C 7.C 8.B 9.B 10.B 11.C 12.B 13.D 14.C 15.B

➢ विशेष अध्ययन के लिए प्रश्नोत्तर-

1.माँ चाँद के लिए क्यों झिंगोला बना नहीं पाती ? [2023,2024]

उः माँ चाँद के लिए झिंगोला नहीं बना पाती क्योंकि चाँद का आकार सदा एक सा नहीं रहता । कभी वह बड़ा तो कभी छोटा हो जाता है। कभी तो पूरा गायब हो जाता है । ऐसा झिंगोला कैसे बने जो हर रोज उसे ठीक से आ जाय ।

2.बिना झिंगोला से चाँद को क्या कष्ट होता है ? [2021]

उः झिंगोले के बिना चाँद को रात में ठंड लगती है । सन-सन बहती ठंडी हवा में वह काँपता रहता है और जैसे-तैसे आकाश में अपनी यात्रा पूरी करता है।

3.आसमान का सफर और मौसम है जाड़े का
न हो अगर तो ला दो कुरता कोई भाड़े का भाव स्पष्ट कीजिए? [2020]

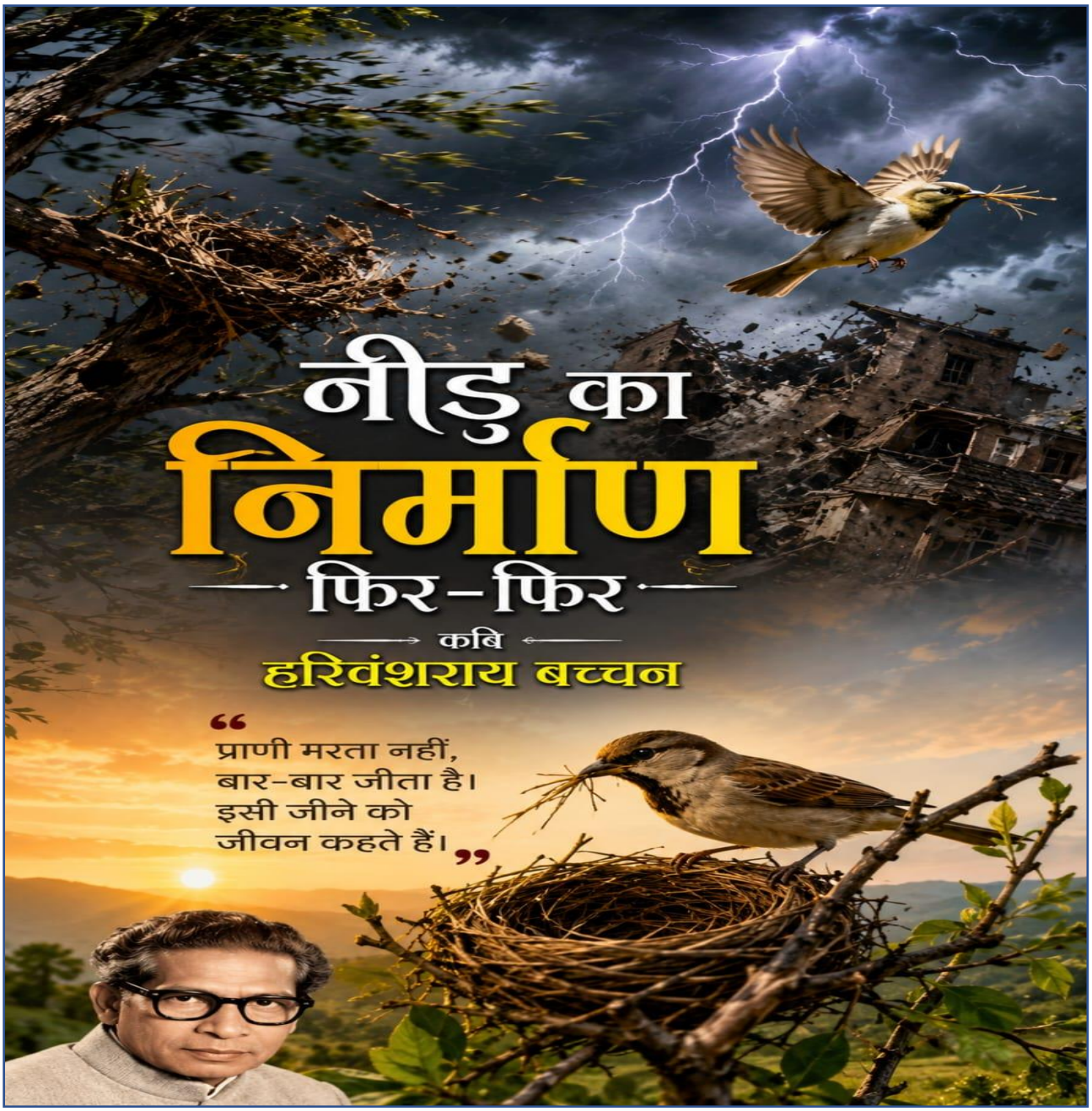
उ : प्रस्तृत पद्यांश चाँद का झिंगोला से आया है इसके कवि है रामधारी सिंह दिनकर जी दिनकर जी यहां यह बताना चाहते हैं कि चाँद अपनी माँ से बोलता है कि वह जाडे के मौसम में काँपते-हुए आसमान पर यात्रा करता-फिरता है । उसे इससे बड़ा कष्ट होता है। इसलिए यदि माँ उसके लिए एक झिंगोला सिलवा नहीं सकती तो कम से कम एक कुर्ता कहीं से भाड़े में ले आकर तो दे सकती है जिससे उसे ठंड से थोड़ा आराम मिले ।

4.घटता बढ़ता रोज़ किसी दिन ऐसा भी करता है
नहीं किसी की आँखों को,तू दिखलाई पड़ता है भाव स्पष्ट कीजिए । [2017]

उ : प्रस्तृत पद्यांश चाँद का झिंगोला से आया है इसके कवि है रामधारी सिंह दिनकर जी दिनकर जी यहां यह बताना चाहते हैं कि माँ अपने बेटे चाँद से बोलती है कि वह रोज बढ़ता-घटता रहता है । आकार-प्रकार कोई ठिकाना ही नहीं । कभी यानी अमावास के दिन तो वह बिल्कुल दिखाई नहीं देता । पता नहीं कहाँ गायब हो जाता है। तो माँ इस स्थिति में उसके लिए कैसे झिंगोला बना सकती है ।

5.एक दिन चाँद क्या हठ करने लगा और क्यों? [2022]

6.चाँद माँ से क्या माँगता है और क्यों? [2022]



"नीड़ का निर्माण फिर-फिर"

हरिवंश राय बच्चन

कवि परिचय – हरिवंश राय बच्चन

- **पूरा नाम:** हरिवंश राय बच्चन
- **जन्म:** 27 नवम्बर 1907, इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज), उत्तर प्रदेश
- **मृत्यु:** 18 जनवरी 2003, मुंबई, महाराष्ट्र
- **पिता:** प्रतापनारायण श्रीवास्तव

- **माता:** सरस्वती देवी
- **भाषा:** हिंदी (खड़ी बोली)
- **साहित्यिक परिचय:** हरिवंश राय बच्चन हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि थे। वे छायावादोत्तर युग के प्रमुख कवि माने जाते हैं। उनकी भाषा सरल, मधुर और प्रेरणादायक है।
- **प्रमुख कृतियाँ:** *मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश, निशा निमंत्रण, नीड़ का निर्माण फिर-फिर, क्या भूलूँ क्या याद करूँ* (आत्मकथा)।
- **सम्मान:** पद्म भूषण (1976) सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए।

महत्वपूर्ण बिंदु

1. यह कविता प्रसिद्ध कवि **हरिवंश राय बच्चन** द्वारा रचित प्रेरणादायक कविता है।
2. कविता का मुख्य संदेश है कि असफलता के बाद भी जीवन में निराश नहीं होना चाहिए।
3. पक्षी की तरह बार-बार अपना **नीड़ (घोंसला)** बनाना ही संघर्ष और साहस का प्रतीक है।
4. जीवन में आने वाली कठिनाइयाँ और बाधाएँ हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।
5. मनुष्य को हर परिस्थिति में धैर्य, आत्मविश्वास और आशा बनाए रखनी चाहिए।
6. परिश्रम, लगन और दृढ़ संकल्प से सफलता अवश्य प्राप्त होती है।
7. कविता हमें निरंतर कर्म करते रहने और हार न मानने की शिक्षा देती है।
8. कवि ने प्रकृति के माध्यम से जीवन का गहरा संदेश प्रस्तुत किया है।
9. यह कविता सकारात्मक सोच, आत्मबल और पुनः प्रयास करने की प्रेरणा देती है।
10. **"नीड़ का निर्माण फिर-फिर"** हमें सिखाती है कि जीवन में गिरने के बाद फिर उठना ही सच्ची सफलता का मार्ग है।

बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर (MCQ's)

1.बड़े विटप कैसे उखड़ गए ?

(i)जड़ से (ii) मूल से (iii) डंठल से (iv) शाखा से

2.आँधी कहाँ उठी ?

(i)पृथ्वी पर (ii) नभ में (iii) पहाड़ पर (iv) समुद्र पर

3.बड़े चिड़िया किसे नीचा दिखाती है ?

(i)बादल को (ii) आँधी को (iii) आसमान को

(iv) उन्माद पवन को

4.आँधी के समय कौन छिप गया था ?

(i)आशा का प्रकाश (ii) छोटी-सी झोपड़ी

(iii)आशा का पक्षी (iv) भयभीत मानव

5.आँधी उठने से नभ में क्या छा गया ?

(i)बादल (ii) अँधेरा (iii) कुहरा (iv) धूल

6.भूमि को किसने घेरा ?

(i)पक्षी ने (ii) बादलों ने (iii) भूमि ने (iv) मेघ ने

7. नभ के वज्रदंत कौन हैं ?

(i)उखड़े वृक्ष (ii) रात के तारे

i) बड़े बड़े दाँत (iv) किटकिटाते दाँत

8. आशा का विहंगम गर्व से बार क्या उठता है ?

i) अपने पंख (ii) अपना वक्ष

iii) अपनी चोंच (iv) अपना स्वर

9. निर्माण का सुख किस स्थिति में भी नहीं ढबता ?

i)आँधी-पानी में (ii) नीड़ के निर्माण में

iii)नेह के आह्वान में (iv) नाश के दुख में

10.आशा के विहंगम कैसे छाती फुलाता है ?

i)डर से (ii) खुशी से (iii) गर्व से (iv) आतंक से

11.विटप का अर्थ क्या है ?

i)पर्वत (ii) नदी (iii) हवा (iv) पेड़

12.भीम कायावन कौन है ?

i)विटप (ii) नदी (iii) बादल (iv) पहाड़

13.दिन कैसा हो गया ?

(i)प्रभात सा (ii) दोपहर (iii) शाम सा (iv) रात सा

14.कण-कण किससे भयभीत थे ?

(i)दिन (ii) रात (iii) शाम (iv) सवेरा

15.क्रोधित आकाश के दाँत कैसे हैं ?

(i)लघु (ii) विशाल (iii) वज्रदंत (iv) भीमकाय

<u>उत्तरमाला</u>

1.i, 2.ii, 3.ii, 4.iii, 5. Ii, 6.ii,7.iv, 8.ii, 9.iv, 10.iii, 11.iv, 12.i, 13.iv, 14.ii, 15.iii

➢ विशेष अध्ययन के लिए प्रश्नोत्तर-

1. **रात सा दिन हो गया, फिर रात आई और काली , लग रहा था अब न होगा इस निशा का फिर सवेरा "**

उ. आँधी के कारण दिन रात की अंधकार

हो गया । उसके बाद फिर रात आई ,

अपने अंधकार में वह और काली हो गई ।

ऐसा लगा कि अब इस रात का अंत

होकर फिर सवेरा नहीं होगा ।

2. **तूफान की उग्रता से क्या विनाश होने लगा ?**

उ. तूफान की उग्रता से बड़े-बड़े पहाड़ काँपने

लगे और बड़े-बड़े पेड़ जड़ सहित

उखड़ गए । कंकड़, ईंट और पत्थर से

बने महल भी ढह गए । इस हालत में

तिनकों से बने घोंसले भी नष्ट-भ्रष्ट हो गए ।

3. **एक चिड़िया चोंच में तिनका लिए जो जा रही है,**

वह सहज में ही पवन उच्छ्वास को नीचा दिखाती !

उ. भीषण अनचास पवन की परवाह न करके

बड़े सहज भाव से एक चिड़िया अपनी

चोंच में तिनका लिए उड़ती जा रही है ,

वह फिर अपना घोंसला बनाने के काम

में जुट-जाएगी ।



काँटे कम-से-कम मत बोओ

कवि परिचय :-

पूरा नाम : रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'

जन्म : 10 मई 1915 ई., किशनपुर गाँव, फतेहपुर (U.P.)

मृत्यु : 13 अक्टूबर 1995.ई

पिता : पंडित मातादीन शुक्ल

माता : श्रीमती गंगादेवी

शिक्षा : हिन्दी साहित्य में उच्च शिक्षा प्राप्त की।

भाषा-ज्ञान : हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेजी।

स्वभाव : सरल, संवेदनशील, मानवतावादी एवं राष्ट्रप्रेमी

साहित्यिक विशेषताएँ :-

- प्रगतिवादी एवं मानवतावादी कवि।
- सामाजिक विषमता, शोषण और अन्याय का विरोध।
- प्रकृति और लोकजीवन का सुन्दर चित्रण।

प्रमुख रचनाएँ :-

काव्य-संग्रह :-अपराजिता, मधूलिका, लाल चूनर, किरण बेला, वंदना चिह्न*

- उपन्यास :-बोलने की बकुल
- कहानी-संग्रह :- विवश चिह्न

भाषा - शैली :-

भाषा : सरल, साहित्यिक खड़ी बोली हिन्दी।

शैली : भावात्मक, प्रेरणात्मक एवं वर्णनात्मक।

महत्वपूर्ण बिंदु

- यह कविता रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' जी की एक प्रगतिशील एवं प्रेरणादायक रचना है।
- कविता का मुख्य संदेश मानवता, प्रेम और परोपकार है।
- कवि मनुष्य को स्वार्थी नहीं, बल्कि परोपकारी बनने की प्रेरणा देता है।
- यदि किसी का भला न कर सकें, तो कम-से-कम किसी को कष्ट भी न पहुँचाओ।
- दूसरों के मार्ग में फूल बिछाओ, काँटे नहीं।
- अपने सुख-दुःख में उलझकर मन को छोटा नहीं बनाना चाहिए।
- सभी के प्रति स्नेह, प्रेम, दया और समता का व्यवहार रखना चाहिए।
- ईर्ष्या, द्वेष और कटुता का त्याग करना चाहिए।
- कठिन परिस्थितियों से भागना नहीं, बल्कि संघर्ष करना चाहिए।
- कविता का निष्कर्ष है कि दूसरों का हौसला बढ़ाकर, प्रेम, शांति और मानवता का संदेश फैलाना ही सच्चे जीवन का उद्देश्य है।

MULTIPLE CHOICE QUESTIONS

Q.1.** सुख की अभिमानी मन्दिर में जो जाग सकता है, वह कैसा होता है?

(A) चेतन
(C) अपचेतन
(B) फूल की सेज में सोनेवाला
(D) फुर्तीला

Q.2.** पग-पग पर शोर मचाने से मन में क्या नहीं जमता?

(A) भय
(C) साहस
(B) विकल्प
(D) संकल्प

Q.3.** मानव का मन कैसा होता है?

(A) साहस से भरा
(C) शीतल
(B) उद्विग्न
(D) कमजोर

Q.4.** हमें किस पर विश्वास करना चाहिए?

(A) हर सपने पर
(D) चेतना की घाटी पर
(B) हर फूल पर
(C) अपने दुश्मन पर

Q.5. हर सपने पर विश्वास करो और किसका चंदन लगा लो?

(A) जन्मभूमि की मिट्टी का
(C) संकल्प खड़िया का
(B) मलय पाट का
(D) चाँदनी का

Q.6. किसका मन कमजोर है?

(A) मानव
(C) पशु
(B) लोग
(D) लेखक

Q.7.** किसके चेहरों में मांसल का जयघोष नहीं थमता?

(A) बिजली के
(C) मनुष्यों के
(B) बादलों के
(D) शत्रुओं के

Q.8.** किसमें बीते हुए जीवन को याद नहीं करना चाहिए?

(A) सुख में
(C) ज्वालाओं में
(B) विपत्ति में
(D) दुःख में

Q.9. किसकी शीतल छाया में कटुता का शमन होता हैं?

(A) ममता की
(C) घर की
(B) पेड़ की
(D) प्रेम की

Q.10. संशय का कुहासा कैसा होता हैं?

(A) दृश्य
(C) अदृश्य
(B) सूक्ष्म
(D) स्थूल

Q.11. शोर मचाने पर मन में क्या नहीं जमता?

(A) संकट
(B) क्षणभर पवन

(C) संकल्प (D) अभिमान

Q.12.** "सहता है तन, बहता हैं मन" यह दुनिया की क्या हैं?

(A) प्रीति (C) नीति

(B) जीत (D) रीति

Q.13. साँसों के मुर्दे का मतलब हैं?

(A) साहसी (C) जिन्दा लाश

(B) मृत (D) कमजोर

14. अनसुना करने से किसका वेग कम नहीं होता ?

(A) विश्वास (C) संयोग

(B) संकट (D) कोई नहीं

15. प्रेम के स्पर्श से क्या खुल जाते हैं ?

(A) मुँदे नयन (C) तन-मन

(B) हाथ-पाँव (D) मुँह

16. कम-से-कम काँटे का क्या करना नहीं चाहिए ?

(A) बोना (C) फेंकना

(B) उठाना (D) देना

17.यदि फूल नहीं बो सकते तो कम-से-कम _____ मत बोधो।

(A) काँटे (C) रंगीन कागज

(B) फल (D) फूल

18.जीवन किससे बना हैं ?

(A) जीना और मरना दोनों (C) सफलता और विफलता से

(B) सुख और दुःख दोनों (D) हँसना और रोना

19.कवि ने भय से कातर होकर क्या न करने को कहा हैं ?

(A) खेलने को (C) हँसने को

(B) दौड़ने को (D) रोने को

20. "हर सपने पर विश्वास करो, लो लगा चाँदनी का चन्दन" यह पंक्ति किस कवि ने लिखी हैं ?

(A) हरिवंश राय बच्चन (C) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'

(B) रामधारी सिंह 'दिनकर' (D) मैथिलीशरण गुप्त

<u>उत्तरमाला</u>

1.A 2. D 3. D 4. A 5. D 6. A 7. B 8. C 9. A 10. B 11. C 12. D 13.C 14. B 15. A 16.A 17.A 18. B 19.D 20.

➢ विशेष अध्ययन के लिए प्रश्नोत्तर-

1Q.** "सुख की अभिमानी मन्दिर में जो जाग सका, वह है 'चेतन'।"
(आशय स्पष्ट कीजिए)

ANS. प्रस्तुत पंक्ति में कवि रामेश्वर शुक्ल कहते हैं कि सुख के समय मनुष्य अभिमानी बन जाता है और गर्व से फूला नहीं समाता। यह गर्व, अभिमान आदि मनुष्य की शराब की तरह नशायुक्त बना देते हैं और वह विवेकहीन बन जाता है। उसी सुख के समय जो जागृत होकर अपना कर्तव्य करता है। वही सच्चा चेतन प्राणी कहलाता है।

Q.2. "यदि फूल नहीं बो सकते तो, काँटे कम-से-कम मत बोधो।"
(आशय स्पष्ट कीजिए)
ANS.** इस पंक्ति में कवि रामेश्वर शुक्ल कहते हैं कि स्वार्थ के बदले परमार्थ को अपनाने में अच्छाई है। कवि कहते हैं कि यदि तुम किसी के रास्ते में फूल नहीं बिछा सकते तो कम-से-कम काँटे मत बिछाओ। अर्थात् दूसरों की उजागर भलाई नहीं कर सकते हो तो बुराई मत करो।

Q.3.** "ज्वालाएँ जब धुल जाती हैं, खुल-खुल जाते हैं मुँदे नयन।"
(आशय स्पष्ट कीजिए)
ANS.** प्रस्तुत पंक्ति में कवि रामेश्वर शुक्ल कहते हैं मनुष्य का मन कमजोर और अस्थिर होता हैं। द्वेषों के बजाय प्रीति और समता के स्पर्श से मन की ज्वालाएँ या अशांति अपने आप शांत हो जाती है। हृदय निर्मल हो जाता हैं। प्राणों का शुद्ध पवन प्रशान्त होकर बहने लगता है। आदमी उदार बन जाता हैं।
Q.4.** "है उजागर चेतना की घाटी, कमजोर बड़ा मानव का मन"
(आशय स्पष्ट कीजिए)
ANS.** इस पंक्ति में कवि रामेश्वर शुक्ल कहते हैं कि पर्वत की घाटी पार करने की तरह मनुष्य के मन के भाव को जानना बड़ा मुश्किल हैं। उसकी मनोवृत्ति बड़ी चंचल होने पर भी कमजोर। दुःख में ताप से मनुष्य के मन में उत्पन्न कटुता ममता की शीतल छाया में आकर अपने आप शांत हो जाती हैं।

Q.5.** "यदि बढ़ न सकीं, विश्वासों पर साँसों की मुर्दे मत ढोओ।"
(आशय स्पष्ट कीजिए)
ANS.** इस पंक्ति में कवि रामेश्वर शुक्ल कहते हैं अपने मन में आत्मविश्वास बढ़ाना जरूरी हैं। संकट से संघर्ष करने का दृढ़ संकल्प करना चाहिए और अपने संकल्प पर विश्वास रखना

चाहिए। कवि समझा कर देते हैं कि यदि तुम अपने विश्वासों पर भरोसा करके आगे नहीं बढ़ सकते तो जिंदा मुर्दा मत बनो।